श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : ऐसी नृशंस घटना जो अलीगढ़ में हुई है, यह बहुत ही शर्मनाक घटना घटी है और विशेष रूप से ऐसे समाज के प्रति जिनके 45-47 घर जलाये गये एक आदमी को पीट कर के जिस तरह से जिन्दा जला दिया गया, उधर के सदस्यों को भी इस तरह की शर्मनाक घटना के साथ पूरी सहानुभूति होनी चाहिए। सहानुभूति ही नहीं, बल्कि मानवता के आधार पर यह भी होना चाहिए कि जो सत्या बहिन ने सवाल रखा है कि सरकार ने अभी तक जो कार्यवाही नहीं की है, इसमें कार्यवाही होनी चाहिए और जो भी दोषी व्यक्ति है, उन्हें बक्शा नहीं जाना चाहिए मैं नहीं कहता कि किस पार्टी का प्रधान है, किस पार्टी का नहीं है, सवाल यह नहीं । सवाल यह है कि जो अपराधी लोग, आरोपी तत्व हैं और जिन लोगों के जरिए यह घटना घटी है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए और इस बात का आश्वासन होना चाहिए कि किसी भी तरह से भविष्य में ऐसी घटनायें, जो घट जाती हैं, ऐसे वर्ग के साथ घट जाती हैं, जो हमेशा से उपेक्षित समाज रहा है, दलित समाज रहा है, नहीं होनी चाहिए, यह बहुत ही निंदनीय और घृणित है।

इसलिए ऐसे मामले पर मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं और सरकार का ध्यान उधर जल्दी जाना चाहिए और उनको सहायता दी जानी चाहिए और अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए ।

Bomb blast in a bus at Panipat

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): Mr. Vice-Chairman, Sir, I would like to raise the issue of a gruesome incident that happened in Panipat killing more than 12 persons and injuring about 34 when a powerful bomb exploded in a bus at Panipat bus stand.

Mr. Vice-Chairman, Sir, this is nothing but a terrorist activity. It was decided by the Governments, especially by the Punjab and Haryana Governments, that they will keep policemen in the buses so that they can check the passengers and their luggage when they board buses. Sir, I was told that in this bus heavy luggage was there, which had not been checked up and it was from this luggage that a powerful bomb, which had a time device in it, exploded and the bus was completely blown up and the passengers travelling in the bus were also thrown out. Actually, Sir, it is only due to the lack of security by the administration that this incident took place and the Central Government is also responsible for it.

Sir, it is a known fact that in Punjab and Haryana the terrorist activity is going on, the buses are stopped by the terrorists and the passengers are being massacared. In such a situation, the callous attitude on the part of the administration, is not being vigilant and posting armed guards in buses for the safety of the passengers is not understood.

Sir, the eye-witness accounts reveal that there were blood-stained bodies and other luggage including that of fruits and vegetables. The impact of the bomb blast was so severe that the people became panicky at the bus stop and they started running in all directions. Fortunately for them, nearby there was a hospital and with the help of the local people, the injured persons were taken to the hospital and their lives were saved. Two of the passengers travelling in the bus have given a statement that the bomb blast took place within three minutes of the bus coming to a halt, for a brief stopover, at the Panipat bus-stand and that the persons were just flung out of the bus.

I would request the hon. Home Minister who is sitting here... (*Time-bell rings*) to take care of the passengers who travel in buses in the terrorist-affected areas, particularly, in Haryana, Himachal Pradesh, Kashmir and Punjab. The passengers should be given full protection. Not only the State Government is responsible for it. The Central Government is also responsible for it. In this connection,

I would like to know from the hon. Home Minister, why the police security which was provided in the inter-State buses...

THE VICE-CHAIRMAN (DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY): Mr. Narayanasamy, you are making a Special Mention. You have made your point. Anyway, carry on.

SHRI V. NARAYANASAMY: I am asking the Home Minister.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY): How will he be in a position...

SHRI V. NARAYANASAMY: He will give a reply through a letter.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. G. VIJAYA MOHAN REDDY): All right.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, the point I am making is this. This was an inter-State bus. It was a Delhi-bound bus. The Delhi Administration is under the control of the Home Ministry. Therefore, I am raising the issue. Why was the security which was provided in the buses plying on inter-State routes withdrawn? Why were the passengers not checked? Sir, it was only because of the callous attitude of the administration that this incident has taken place, this gruesome incident has taken place.

Then, the relief which has been given to the victims' relative is very meagre. I am very particular on this point. Rs. 20,000 has been given by the State Government. I would request the Home Minister to increase the compensation amount to the families of the deceased and to the injured persons. Further, the Home Minister should immediately see that full security is provided in the buses plying on iter-State routes, in Haryana, Delhi, Punjab and other terrorist affected areas.

Alleged tapping of telephones of Political Leaders

श्री सन्तोष बागड़ोदिया (राजस्थान) : मि० वाइस चेयरमैन सर, यह जो हमारी खुली सरकार है यह घोंघे की तरह सिकुड़ करके सेफ डिपोजिट वाल्ट मे अपने आपको बंद करके और फिर बोल रही है हिन्दुस्तान में क्या हो रहा है हमें मालूम नहीं है। इतना बड़ा कांड हो गया और एक तरफ खुद को तो बंद कर लिया और सारे हिन्दुस्तान के घरों को, उनके बैड-रूम्ज को, उनके लिविंग रूम्ज को, उन सबको को सड़क पर ला दिया। उनके टेलीफोन में सुनते हैं कि क्या बातें हो रही हैं, कौन सी बातें हो रही हैं। इसी प्रकार इन लोगों ने, चन्द्रशेखर जी ने कहा है कि चाहे 28 एम पीज का हो, किसका हो, हमें कुछ मालूम नहीं है। जो मंत्री हैं वह कहते हैं हमारे मंत्रालय में क्या होता है हमें नहीं मालूम है। तो होम मिनिस्टर जी कहते हैं, वह बोलते हैं कि हमें तो यही नहीं मालूम कि काश्मीर में क्या हो रहा है, वह कहते हैं पंजाब में क्या हो रहा है हमें यही नहीं मालूम। भाई, यह टेलीफोन टेपिंग वाली बात का हमें क्या मालूम, यह आप उनको पूछो; उनके प्रधान मंत्री जी को मालूम है कि क्या हो रहा है। ऐसी अवस्था में हम इस हिन्दुस्तान में इतने कंफ्यूज़न में पड़ गए हैं... (व्यवधान) मैं यहां कहना चाहता हूं राजमोहन जी गांधी अभी हमारे नए सदस्य बन कर आए हैं... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : अभी नहीं है।

श्री सन्तोष बागड़ोदिया : अभी बनने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उनको चन्द्रशेखर जी को मालूम नहीं है कि उन्होंने क्या कहा। वह 27 कहें वह लोग श्योर नहीं हैं उनके लिए मैं उनकी खबर यह आज जो छपी है, उसको पढ़ू तो उन्होंने साफ कहा है:

"Do you know that they have bugged all my phones? Not just that. They have bugged even the rooms. I have checked it with the debugger."

अब डी-बजर भी उनको लगाना पड़ा। हमें तो मालूम भी नहीं है कि डी-बजर क्या होता है। हमें बतायें कि डी-बजर क्या होता है? हम भी सब मकानों में लगाएं नहीं तो सरकार हमें सप्लायी कर दे। तो ऐसा है।... (व्यवधान)